

कक्षा : ९ हिन्दी

1. आराधना

स्वाध्याय

Sem : 1

प्रश्न 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

(1) कवि नित्य कैसी आराधना चाहते हैं?

उत्तर : कवि नित्य ऐसी आराधना चाहते हैं जिसमें सत्य, सुंदर और मांगल्य की भावना हो।

(2) कवि कैसी मनोकामना चाहते हैं?

उत्तर : दुःखी लोग दुःखों से मुक्त हों, ऐसी मनोकामना कवि चाहते हैं।

(3) कवि दुर्बलों के रक्षणार्थ किसकी साधना चाहते हैं?

उत्तर : कवि दुर्बलों के रक्षणार्थ पौरुष की साधना चाहते हैं।

(4) कवि किसकी अभ्यथना करते हैं?

उत्तर : कवि सबसे जीवन में नया प्रकाश आने की अभ्यथना करते हैं

(5) कवि कैसी बंधुता की कामना करते हैं?

उत्तर : कवि ऐसी बंधुता की कामना करते हैं जिसमें
सब स्वतंत्र होकर भी भाईचारे की भावना से
जुड़ी हो।

प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :

(1) कवि कैसे 'मांगल्य' की आराधना करते हैं?

उत्तर : 'मांगल्य' अर्थात् सबका कल्याण। कवि चाहते हैं कि सब लोग सत्य के मार्ग पर चलें, सबके मन में सुंदर विचार आएँ और सब एक-दूसरे के कल्याण की बात सोचें। इस तरह कवि सबके कल्याण की कमाना करते हुए मांगल्य की आराधना करते हैं।

(2) कवि के अनुसार किसके दुःख दूर होने चाहिए?

उत्तर : कवि के अनुसार लोगों के जीवन में तरह-तरह के दुःख हैं। इन दुःखों से छुटकारा पाने का उन्हें कोई मार्ग नहीं सूझता। उन्हें दूसरों की सहानुभूति भी नहीं मिलती। वे स्वयं अपने दुःखों से मुक्त नहीं हो सकते। ऐसे उपेक्षित और असहाय लोगों के दुःख दूर होने चाहिए।

(3) कवि की क्या अभ्यर्थना है?

उत्तर : कवि चाहते हैं कि मनुष्य के जीवन में नया प्रकाश आए। वह नई चेतना का अनुभव करे। उसके हृदय में सुंदर और नए विचार हों। उसकी सभी आशाएँ पूरी हों। वह मनुष्यता की पूजा करे। सब लोग धीर-वीर बनें।

(4) कवि भेदों को नाश करने की बात क्यों करते हैं?

उत्तर : संसार में विज्ञान ने बहुत उन्नति कर ली है, फिर भी दुनिया में ऊँच-नीच, जाति-पाँति, अमीर-गरीब आदि कई भेद हैं। इन भेदभावों के कारण मानव-समाज में ईर्ष्या-द्वैष और संघर्ष हैं। इनके कारण मानव-एकता में बाधाएँ आती हैं और हमारा विश्वबंधुत्व का सपना पूरा नहीं होता। इसलिए कवि इन भेदों को नाश करने की बात करते हैं।

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :

(1) देहमंदिर, चित्तमंदिर एक ही है प्रार्थना।

सत्य-सुंदर, मांगल्य की नित्य हो आराधना॥

उत्तर : कवि वसंत बापट बहुत ही उदारहृदय और ऊँची दृष्टि के कवि हैं। उनके चित्त और देह की बस एक ही प्रार्थना है कि लोग अच्छे कर्म करें। सत्य के मार्ग पर चलें। उनके हृदय में शुभ और सुंदर भावनाएँ हों। लोग स्वार्थ त्यागकर सबके हित की बात सोचें।

(2) भेद सभी अस्त होवें, बैर और वासना।

मानवों की एकता की पूर्ण हो कल्पना।।

मुक्त हम, चाहें एक ही बंधुता की कल्पना।।

उत्तर : आज संसार में वर्ण-भेद, जाति-भेद, रंग-भेद आदि कई भेद बने हुए हैं। ईर्ष्या-द्वेष के कारण ऊँच-नीच का अंतर बना है। इसलिए मानवजाति में एकता नहीं है। संसार में अशांति और संघर्ष का कारण ये तरह-तरह के भेद ही हैं। जब तक इन भेदों का नाश नहीं होगा, तब तक मनुष्यजाति एक नहीं चेगी।

प्रश्न 5 काव्य-पंक्तियों को पूर्ण कीजिए :

(1) देहमंदिर, चित्तमंदिर एक ही है पौरुष की
साधना॥

उत्तर : देहमंदिर, चित्तमंदिर एक ही है प्रार्थना।

सत्य-सुंदर मांगल्य की नित्य हो आराधना॥

दुखियारों का दुःख जाए, है यही मनकामना।

वेदना को परख पाने जगाएँ संवेदना॥

दुर्बलों के रक्षणार्थ पौरुष की साधना॥

(2) जीवन में नवतेज हो बंधुता की कामना

उत्तर : जीवन में नवतेज हो, अंतरंग में भावना सुंदरता की आस हो मानवता की हो उपासनाशौर्य पावें, धैर्य पावें, यही है अभ्यर्थना भेद सभी अस्त होवें, बैर और वासना मानवों की एकता की पूर्ण हो कल्पना मुक्त हम, चाहें एक ही बंधुता की कामना के स्वाध्याय-प्रश्न हैं। अन्य प्रश्न भी परीक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

प्रश्न 6 निम्नलिखित शब्दों के विरोधी शब्द
लिखिए :

- | | | | |
|-----|--------|---|---------|
| (1) | मानव | × | दानव |
| (2) | सत्य | × | असत्य |
| (3) | मंगल | × | अमंगल |
| (4) | दुःख | × | सुख |
| (5) | दुर्बल | × | अदूर्बल |

(6) जीवन × मृत्यु

(7) सुंदर × असुंदर

(8) अस्त × उदय

(9) मुक्त × बद्ध

(10) एक × अनेक

(11) रक्षक × भक्षक

Thanks



For watching